कोटद्वार, शनिवार
14 जून 2025
वर्षः 47
अंकः 51 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

चोरी हुए मोबाइल का सिम पोर्ट करा खाते से उड़ाए 2.83 लाख रुपये

देहरादून। देहरादून में साइबर अपराध का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शक्ति विहार, माजरा निवासी प्रदीप सिंह के चोरी हुए मोबाइल का सिम पोर्ट कराकर इसके बाद उनके खाते से 2.83 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए गए। मामले में पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की है। प्रदीप सिंह ने अपनी शिकायत में बताया कि 26 मई 2025 को उनका रियलमी मोबाइल फोन घर से निकलते समय कहीं गिर गया। जिसकी शिकायत उन्होंने स्थानीय थाने में दर्ज कराई थी। इसके बाद 28 मई को जब वे अपने मोबाइल नंबर का सिम दोबारा निकलवाने एयरटेल स्टोर गए तो उन्हें पता चला कि उनका सिम जियो कंपनी में पोर्ट कर दिया गया है। जियो कार्यालय में संपर्क करने पर पता चला कि उक्त नंबर अब अभिषेक नामक व्यक्ति के नाम पर रजिस्टर्ड हुआ है। प्रदीप सिंह ने बताया कि उनका यह मोबाइल नंबर उनके बैंक खाते से जुड़ा था। दो जून को जब उन्होंने अपने खाते की शेष राशि की जांच की तो खाता शून्य पाया गया। बैंक से मिली स्टेटमेंट में खुलासा हुआ कि उनके खाते से 2.83 लाख रुपये ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से निकाले गए हैं। स्टेटमेंट में अभिषेक नाम के शख्स के यह राशि निकालने की पुष्टि हुई। इसके बाद प्रदीप ने पुलिस को शिकायत दी। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि मामले धोखाधड़ी से रकम निकालने की धाराओं में केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

10 करोड़ तक के काम स्थानीय फर्मों को, आदेश जारी

देहरादून। राज्य में विभिन्न विभागों के 0 करोड़ रुपये तक कार्य स्थानीय फर्मों को ही मिलेंगे। वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने शुक्रवार को इसके आदेश किए। स्थानीय कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए पिछले दिनों कैबिनेट ने यह निर्णय किया था। वित्त सचिव के अनुसार विभागीय निर्माण कार्यों लिए तय मानक को पूरा करने वाली स्थानीय फर्मों को 10 करोड़ तक के काम दिए जाएंगे। इन फर्मों में स्थानीय लोगों का अंश 51 प्रतिशत या इससे ज्यादा होना अनिवार्य है। मालूम हो कि पहले उत्तराखंड अधिप्राप्ति प्रोक्योरमेंट संशोधन नियमावली 2018 में केवल पांच करोड़ रूपये तक के कार्य स्थानीय फर्मों से कराने की व्यवस्था थी। कैबिनेट निर्णय के आधार पर वित्त विभाग ने नियमावली में संशोधन कर दिया है।

युवक व एक महिला की मौत

रुड़की। शुक्रवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से लक्सर के जैनपुर खुर्द और मुटकाबाद गांव में दो लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक 18 वर्षीय युवक और दूसरी 45 वर्षीय महिला शामिल है। पुलिस महिला का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा रही है, जबकि युवक के शव को परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना दफना दिया है। एसएसआई लक्सर मनोज गैरोला ने बताया कि आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मृत महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जैनपुर खुर्द में भी बिजली गिरने से एक की मौत होने की सूचना मिली थी। लेकिन पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही परिजनों द्वारा शव को दफना दिया गया है। इसलिए उसका पोस्टमार्टम नहीं कराया जा सका है।

रंजिश में दो पक्ष आमने–सामने, चाकू–लाठी चलने से मचा हड़कंप

हरिद्वार। ज्वालापुर थाना क्षेत्र की राम रहीम कॉलोनी में बुधवार को विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। चाकू और लाठी–डंडों से लैस लोग एक–दूसरे पर टूट पड़े। घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि आफताब पुत्र अकरम निवासी राम रहीम कॉलोनी ने बताया कि बुधवार शाम उसका भाई आरिफ और आसिफ वाल्मीकि रोड पर पेट्रोल पंप के पास खड़े थे। तभी रंजिशन अमजद और शाहनवाज पुत्रगण निसार ने आकर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। किसी तरह दोनों अपनी जान बचाकर घर लौटे।

दिवंगत पूर्व सीएम विजय रूपाणी के परिवार से मिले पीएम मोदी

अहमदाबाद,अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे के बाद पीएम मोदी घटनास्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद विमान हादसे में जिंदा बजे रमेश विश्वास कुमार से मुलाकात भी की। वहीं प्लेन क्रैश हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का निधन हो गया था। पीएम मोदी ने आज दिवंगत पूर्व सीएम विजय रूपाणी के परिवार से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने विजय रूपाणी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा, विजयभाई रूपाणी जी के परिवार से मिला। यह अकल्पनीय है कि विजयभाई हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता हूं। हमने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, जिसमें सबसे चुनौतीपूर्ण समय भी शामिल है। विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। पद पर बढ़ते हुए, उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालीं और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगन से काम किया। पीएम मोदी ने आगे लिखा, राजकोट नगर निगम में, राज्यसभा सांसद के रूप में, गुजरात भाजपा अध्यक्ष के रूप में और राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में, उन्होंने हर भूमिका में खुद को प्रतिष्ठित किया।

तबाही का मंजर देख भावुक हुए प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद के सिविल अस्पताल का दौरा किया। विमान हादसे में घायल लोगों को यहां इलाज चल रहा है। पीएम मोदी ने घायलों से मुलाकात की। इसके बाद डॉक्टरों से मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। पीएम मोदी, अस्पताल के सी 7 वार्ड भी गए, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से हम सभी स्तब्ध हैं। इतने सारे लोगों की अचानक और हृद्य विदारक तरीके से मौतों को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। सभी शोक संप्त परिवारों के प्रति संवेदना। हम उनके दर्द को समझते हैं और यह भी जानते हैं कि उनके पीछे जो खालीपन रह गया है। वह आने वाले कई सालों तक महसूस किया जाएगा। वहीं, प्रधानमंत्री ने दूसरे पोस्ट में लिखा, आज अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। तबाही का मंजर दुखद है।

थाइलैंड में एयर इंडिया की इमरजेंसी लैंडिग, मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली,थाइलैंड के फुकेट में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई–379 की इमरजेंसी लैंडिग कराई गई है. जानकारी के मुताबिक इस फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है. यह फ्लाइट फुकेट से नई दिल्ली आ रही थी. शुक्रवार के बम की धमकी मिलने के बाद यह लैंडिंग कराई गई. फुकेट एयरपोर्ट के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि इमरजेंसी लैंडिंग के बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है. बता दें, एयर इंडिया की फ्लाइट एआई–379 में करीब 156 यात्री सवार थे. इस विमान ने शुक्रवार सुबह करीब 9 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरी थी, लेकिन 20 मिनट के बाद ही इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. भारतीय समयानुसार करीब 11 बजकर 38 मिनट पर यह लैंडिंग हुई. जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक उड़ान भरने के 20 मिनट बाद ही यह विमान अंडमान सागर के चारों ओर चक्कर काटने लगा. उसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया. अभियान के बाद अधिकारियों ने बताया कि विमान के अंदर से कोई बम नहीं मिला है.

इंजीनियर आधुनिक समय के विश्वकर्मा : धामी

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रदेश के सभी विभागों में कार्यरत इंजीनियरों का आह्वान किया कि राज्य की विकास से जुड़ी प्रत्येक योजना समय पर पूरी हो और आम जन तक उसका शत प्रतिशत लाभ पहुंचे।

इंजीनियर आधुनिक समय के विश्वकर्मा हैं जो जीवन को सरल, सुगम और सुरक्षित बना रहे हैं। शुक्रवार को उत्तराखण्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के द्वादश द्विवार्षिक महाधिवेशन में मुख्यमंत्री ने 23 सूत्री मांग पर सुनने के बाद यह भी कहा कि आज दो तीन घोषणाएं नहीं करेंगे, बल्कि संघ पूरे मांग पत्र पर सकारात्मक रूप से बिंदुवार मंथन करने के बाद हर जायज मांग को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा गढ़ी कैंट में नींबूवाला में स्थित हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र में आज अधिवेशन का दूसरा दिन अहमदाबाद विमान हादसे की वजह से बेहद सादगी के साथ आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री के साथ सभी अधिकारियों और डिप्लोमा इंजीनियरों ने दो मिनट का मौन रख हादसे का शिकार बने लोगों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हादसे की वजह से उन्होंने अपने ज्यादातर कार्यक्रम स्थगित कर दिए थे। लेकिन महासंघ में सैकड़ों लोगों के प्रदेश भर से आने की वजह से यहां आने का निर्णय किया। कहा कि जहां डाक्टर जीवन को बचाने का काम करते हैं, शिक्षक जीवन को संवारने का काम करते हैं, इंजीनियर जीवन को सरल, सुगम और सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जबसे उन्हें प्रदेश के मुख्य सेवक की जिम्मेदारी मिली है, तब से ही वो हर समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। इंजीनियरों की कई मांगों को पहले भी पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, जबरन धर्मांतरण विरोधी कानून आदि अपने ऐतिहासिक फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि आज उत्तराखंड तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होने की ओर बढ़ रह है। राज्य के फैसले दूसरे राज्यों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं। मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन ने इंजीनियरों को अधिवेशन की बधाई देते हुए उनसे निर्माण स्थल के सतत निरीक्षण और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखने की अपील की। कहा कि सृजन के वक्त ऐहतियात बरतने से योजना का निर्माण भी बेहतर होता है। मुख्य सचिव ने सलाह देते हुए कहा कि सभी लोग वक्त के अनुसार अपने ज्ञान, कौशल को भी अपडेट करते रहें।

उत्तराखंड में मौसम हो गया कूल– कूल, 18 जून तक होगी बारिश

देहरादून : उत्तर पश्चिम भारत इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। हालांकि, मौसम के लिहाज से उत्तराखंड के अधिकांश क्षेत्रों में कुछ राहत है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू–कश्मीर व राजस्थान में लोग जहां सूरज की तपिश से बेहाल हो रहे हैं वहीं, उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में हुई प्री– मानसून की बारिश ने लोगों को राहत दी है। हालांकि यहां भी मैदानी जिलों समेत कुछ इलाकों में लोग गर्मी से परेशान हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने उत्तराखंड में 18 जून तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। विभाग का कहना है कि इसके बाद प्रदेशभर में तापमान में कमी आने से गर्मी से निजात मिलेगी।

आज भी कई जगहों पर होगी बारिश

उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में गुरुवार को हल्की बारिश हुई। गढ़वाल मंडल के पर्वतीय जिलों–चमोली, उत्तरकाशी समेत कई जगह बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया। देहरादून में सुबह से धूप खिली रही। इस दौरान उमस भरी गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए। इसके बाद दोपहर और शाम को कई जगह हुई हल्की बारिश से लोगों को राहत का अहसास हुआ। हरिद्वार–रुड़की में लोग दिनभर गर्मी से दो–चार हुए। कुमाऊं मंडल में गुरुवार को पहाड़ी इलाकों के साथ ही मैदान के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। हल्द्वानी समेत मैदान के अधिकांश क्षेत्र चिपचिपी गर्मी और उमस से जूझते रहे। बागेश्वर के कपकोट, कांडा और दुग–नाकुरी में बुधवार शाम से गुरुवार सुबह तक झमाझम बारिश हुई।

मौसम को लेकर सतर्कता बरतें

देहरादून स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक रोहित थपलियाल ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इसके चलते 13 जून से 18 जून तक उत्तराखंड में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। पिथौरागढ़–बागेश्वर में भारी बारिश हो सकती है। उन्होंने बताया, लोगों को गाड़–गदेरे के पास नहीं जाने और भूस्खलन क्षेत्रों में एहतियात बरतने की अपील की गई है।

मेडिकल कॉलेजों में तैनात 13 टेक्नीशियन के तबादले

हल्द्वानी। उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा निदेशालय ने राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत 13 टेक्नीशियन के तबादले कर दिए है। निदेशक डॉ. आशुतोष सयाना की ओर से 10 जून को जारी आदेश के तहत राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी के दस, राजकीय मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा के दो व राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के एक कर्मचारी का तबादला हुआ है। आदेश के अनुसार, हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के चार लैब टेक्नीशियन गणेश शंकर पांडे, अनुराधा, विनोद, विनय धवन, दो रेडियोथेरेपी टेक्नीशियन उमेश, संजय प्रकाश को अल्मोड़ा भेजा गया। एक रेडियोथेरेपी टेक्नीशियन महेंद्र प्रसाद यादव को श्रीनगर, स्पीच थेरेपिस्ट अच्छे लाल राम को अल्मोड़ा, रेडियोग्राफिक टेक्नीशियन दीपिका चौहान को देहरादून भेजा गया।

वहीं चीफ फार्मासिस्ट विनोद कुमार शाह को श्रीनगर में नई तैनाती मिली है। इसी तरह, श्रीनगर में तैनात फिजियोथेरेपिस्ट स्नेहा रावत को अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज तबादला किया गया।

बाबा बौखनाग महाराज के कपाट 14 को खुलेंगे

उत्तरकाशी। रवांई के आराध्य देव बाबा बौखनाग के कपाट शनिवार को विधि–विधान से खुल जांयेगे। बाबा बौखनाग उपराड़ी गांव में विराजमान हैं, जहां बाबा के कपाट खुलने की तैयारियां जोरों पर चल रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रंवाई घाटी में धार्मिक और पौराणिक मेलों की शुरुआत बाबा बौखनाग के मेले से होती है, जो मेला भाटिया गांव में होता है। बाबा बौखनाग के कपाट शनिवार को लगभग 12 बजे दिन खुलेंगे। उसके बाद महाराज अपने थान भाटिया के लिए ढोल बाजों के साथ प्रस्थान करेंगे। बता दें कि रंवाई घाटी में धार्मिक मेलों की शुरुआत आषाढ़ माह से होती और बाबा बौखनाग के कपाट खुलने के बाद सभी देव डोलियां अपने मूल थानों से क्षेत्र भ्रमण करती हैं। बाबा बौखनाग महाराज का प्रथम मेला भाटिया गांव में दो दिन तक चलेगा, जहां लोगों में भारी उत्साह है और बाबा बौखनाग के आगमन की लोग एक वर्ष से तैयारी कर रहे हैं। देव माली संजय डिमरी बताते हैं कि बाबा बौखनाग के कपाट 14 जून को अपने थान उपराड़ी में शुभलग्न पर भक्तों के लिये कपाट खोल दिये जाएंगे। उसके बाद बाबा की देव डोली भाटिया थान के लिये प्रस्थान करेगी। बाबा बौखनाग महाराज के लिए भक्तों में अपार श्रद्धा और विश्वास है और बाबा बौखनाग नाग के भाटिया, कन्सेरू, कफनौल, नंदगांव, उपराड़ी, गैर, साड़ा, चक्रगांव, कृष्णा, कुंड सहित दर्जनों गांव के लोग बाबा बौखनाग के कपाट खुलने पर ढोल बाजों के साथ मौजूद रहते हैं और मन्नत मांगते हैं।

बारिश से गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा से दो मीटर नीचे पहुंचा

ऋषिकेश। पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश से गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा से दो मीटर नीचे 337.68 मीटर पहुंच गया है। त्रिवेणीघाट समेत आसपास के गंगाघाट पानी से लबालब हो गए हैं। जल पुलिस के जवानों ने स्नान करने आए लोगों को सतर्क कर गंगाघाटों से दूर रहने की सलाह दी है। वहीं, तटीय इलाकों पर बसे लोगों की भी परेशानी बढ़ गई है। शुक्रवार सुबह से ही गंगा का जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया था। दोपहर होते–होते ऋषिकेश के गंगाघाटों को छूकर बहने वाली गंगा ने उन्हें आगोश में ले लिया। स्नान को पहुंचे श्रद्धालुओं को जल पुलिस के जवान सतर्क करते दिखे। गश्त करते हुए उन्होंने तटीय इलाकों पर बसे लोगों को भी गंगा में पानी अधिक होने पर घाटों और तटों से दूर रहने की चेतावनी दी। पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश से गंगा की सहायक नदी सौंग व सुसवा में भी पानी बढ़ता नजर आया। वहीं, बरसाती नदी चंद्रभागा व खारास्रोत में भी पानी आने की आशंका को लेकर लोगों को चेतावनी जारी की गई। केंद्रीय जल आयोग के अवर अभियंता विभांशु त्रिपाठी के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों तक गंगा का जलस्तर 337.50 था, जो कि शुक्रवार को 337.68 मीटर रहा। बताया कि चेतावनी रेखा 339.50 मीटर है। जबकि, डेंजर लेवल 340.50 मीटर है। फिलहाल खतरा नहीं है, लेकिन आशंका को लेकर प्रशासन को पलपल की अपडेट दी जा रही है। वहीं, एसडीएम योगेश सिंह मेहरा ने बताया कि गंगा के जलस्तर की निगरानी की जा रही है।

आवारा पशुओं का कोई स्थायी समाधान निकाले सरकार: हरीश रावत

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने प्रदेश में आवारा पशुओं का मुद्दा उठाते हुए सरकार से इसका हल निकालने के तरीके ढूंढने का आग्रह किया है। पूर्व सीएम रावत ने कहा कि चौखुटिया में महिलाओं ने आवारा पशुओं के आतंक के खिलाफ नगर पंचायत के कार्यालय में धरना दिया। उन्होंने कहा कि यह अकेले चौखुटिया की नही, पूरे उत्तराखंड के ग्रामीण अंचलों की समस्या है। जगह–जगह आवारा गाय, बैल आतंक का पर्याय बन गए हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि वह बड़ी दुर्दशा झेलते हैं, सड़क में कोई भी वाहन उनको टक्कर मार जाता है। लंगड़ाती हुई गायें, कोई महीनेभर में, कोई दो महीने में सड़क के किनारे वैसे ही प्राण त्याग देती हैं।उन्होंने कहा कि पहले तो उनको खाने वाले गिद्ध थे, जो अब दिखाई नही देते। उन्होंने कहा कि आवारा पशुओं के विचरण से गांवों में लोगों की खेती अलग से चौपट हो रही है और गंदगी से पर्यावरण अलग प्रदूषित हो रहा है। गौसदन बस नाममात्र के हैं, वह समस्या का समाधान नहीं बन पा रहे हैं। यदि हम वास्तविक अर्थों में मूल्यांकन करें तो जंगली पशुओं से ज्यादा नुकसान अब आवारा पशुओं से होने लग गया है।

भवन पर गिरी आकाशीय बिजली, बड़ा हादसा टला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वार्ड नंबर-27 के अंतर्गत खूनीबड़ स्थित एक भवन में आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली गिरने से घर की छत क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत यह रही की घटना के समय भवन के भीतर कोई मौजूद नहीं था। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। वहीं, घर में लगे विद्युत उपकरण भी फूंक गए।

शुक्रवार सुबह कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में तेज बारिश के साथ बिजली गड़गडा रही थी। इसी दौरान सुबह करीब साढ़े नौ बजे बादलों की तेज गड़गड़ाहट के बीच खूनीबड़ निवासी रोहित कुमार के आवास पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। जिसे मकान में लगी स्टील की चद्दर की छत ढ़ह गई। साथ ही घर में लगा टीवी व अन्य विद्युत उपकरण भी फूंक गए। रोहित ने बताया कि वह घर में अपनी पत्नी, दो बच्चों व बजुर्ग पिता के साथ रहते हैं। जिस समय घटना हुई, उस समय वह परिवार के साथ घर के बाहर आंगन में थे। बताया कि उन्होंने कुछ माह पूर्व ही घर के ऊपर शेड डलवाया था। लेकिन, आकाशीय बिजली गिरने से वह भी क्षतिग्रस्त हो गया।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश से लेकर पहलगाम हमले तक, 6 महीने में 5 बड़े हादसे, जिनसे दहल गया दिल

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद में दर्दनाक प्लेन हादसे में 297 लोगों की मौत हो गई। अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना हुआ प्लेन टेक ऑफ के कुछ सेकेंड बाद ही क्रैश होकर एक रिहायशी इमारत से टकरा गया। इससे इमारत में रहने वाले लोगों को भी नुकसान हुआ। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में 241 प्लेन में ही सवार थे। वहीं, अन्य लोग उस इमारत में मौजूद थे, जिसमें जाकर प्लेन टकराया। हालांकि, यह इस साल का पहला बड़ा हादसा नहीं था। इससे पहले भी देश में इस साल छह महीने के अंदर पांच बड़े हादसे हो चुके हैं, जिनमें बड़े पैमाने पर लोगों की मौत हुई और हर किसी का दिल दहल गया।अहमदाबाद प्लेन क्रैश12 जून को गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जा रहा प्लेन टेक ऑफ के तुरंत बाद क्रैश हो गया। इस प्लेन में 242 लोग सवार थे। इनमें से सिर्फ एक यात्री की जान बची है। प्लेन में सवार अन्य सभी यात्रियों और क्रू मेंबर की मौत हो गई। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे। यह विमान एक रिहायशी इमारत से टकराया था। ऐसे में इमारत में मौजूद लोगों की भी मौत हो गई। इस हादसे में कुल 297 मौतें हुईं।महाकुंभ भगदड़प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान मौनी अमावस्या (28–29 जनवरी 2025) की रात करीब 1:30 बजे संगम नोज क्षेत्र में भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। यह हादसा मुख्य रूप से बैरिकेड टूटने और अफरातफरी के कारण हुआ। कुछ लोग स्नान के लिए संगम पर ही जाने की जिद कर रहे थे, जिससे स्थिति बिगड़ी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 37 लोगों की मौत हुई और 60 से अधिक लोग घायल हुए। पहलगाम आतंकी हमला जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में अप्रैल 2025 में आतंकी हमला हुआ। मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से मशहूर बैसरन घाटी में छुट्टियां मनाने आए पर्यटकों पर हमला किया गया।

युवक की मौत

रुद्रपुर। ट्रांजिट कैंप में गुरुवार देर रात छत से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नारायण कालोनी ट्रांजिट कैंप निवासी 19 वर्षीय चरन सिंह पुत्र राम प्रसाद मजदूरी करता था। चरन के भाई हरीश ने बताया कि गुरुवार करीब रात एक बजे उनके क्षेत्र की लाइट चली गई थी। गर्मी के कारण चरन छत पर सोने के लिए जा रहा था। छत पर अचानक उसका पैर फिसल गया और वह दो मंजिल से नीचे सड़क पर गिर गया।108 एंबुलेंस के जरिए उसे जिला अस्पताल लेकर गए। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चरन चार भाई और दो बहनों में सबसे छोटा था। थाना ट्रांजिट कैंप प्रभारी मोहन चंद्र पांडे ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

14 से 16 जून तक कैंचीधाम मेले को लेकर ट्रैफिक डायवर्जन प्लान जारी

अल्मोड़ा। कैंचीधाम मेले के मद्देनजर अल्मोड़ा पुलिस ने 14 जून से 16 जून 2025 तक के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया है, जो 14 जून की सुबह 7 बजे से लागू होकर 16 जून की रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगा। दर्शनार्थियों की भीड़ और यातायात दबाव को देखते हुए कई मार्गों पर डायवर्जन व्यवस्था लागू की गई है, जिससे क्षेत्र में यातायात सुचारू रूप से संचालित रह सके।

पुलिस के अनुसार, बेरीनाग–सेराघाट की ओर से हल्द्वानी जाने वाले सभी चौपहिया वाहन बाड़ेछीना तिराहा से दन्या, सुवाखान, छड़ौजा, शहरफाटक, धानाचूली और खुटानी होते हुए आगे बढ़ेंगे। वहीं, बागेश्वर और अल्मोड़ा से हल्द्वानी जाने वाले वाहन बेस तिराहा, करबला, धारानौला, सिकुड़ा बैण्ड, लमगड़ा, शहरफाटक और धानाचूली मार्ग का उपयोग करेंगे। वैकल्पिक रूप से वाहन क्वारब, नथुवाखान और खुटानी बैण्ड से होकर भीमताल के रास्ते हल्द्वानी जा सकते हैं। रानीखेत से हल्द्वानी की ओर जाने वाले वाहन खैरना, क्वारब, नथुवाखान और भीमताल होते हुए आगे बढ़ेंगे। कैंचीधाम दर्शन के लिए अल्मोड़ा से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन क्वारब तक ही जाएंगे, जहां से उन्हें निर्धारित पार्किंग स्थल पर वाहन खड़ा कर शटल सेवा के माध्यम से दर्शन के लिए भेजा जाएगा। पिथौरागढ़ से हल्द्वानी की ओर जाने वाले वाहनों के लिए एनएच–09, घाट, चम्पावत, टनकपुर, सितारगंज और चोरगलिया मार्ग से आवागमन सुगम रहेगा।

सम्पादकीय

राजनीति में न्यायपालिका की भूमिका महत्त्वपूर्ण

प्रधान न्यायाधीश बीआर गंवई ने कहा है कि न्यायपालिका व विधायिका का मौलिक कर्त्तव्य है, देश के उस आखिरी नागरिक तक पहुंचना जिसे न्याय की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब भी संकट आया, भारत एकजुट रहा। इसका श्रेय संविधान को दिया जाना चाहिए। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अधिवक्ता चैंबर भवन व मल्टीलेवल पार्किंग के उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा, संविधान लागू होने पिछत्तर वर्ष की यात्रा में विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका ने सामाजिक–आर्थिक समानता लाने में बड़ा योगदान दिया है। बार व बेंच को सिक्के के दो पहलू बताते हुए मिल कर काम न करने पर रथ के आगे न बढ़ने की चर्चा भी की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिवक्ताओं की समस्याएं दर करने के लिए केंद्र के सतत प्रयासरत रहने और अधिवक्ता निधि की राशि बढ़ा कर पांच लाख करने की बात की। पेड़ों के नीचे बैठ कर काम करने वाले वकीलों की चर्चा करते हुए उन्होंने एयरकंडीशनर उनके गुस्से को ठंडा करने जैसी बात की। बेशक, यह केवल उच्च न्यायालय परिसर की बात थी। देश के किसी भी मुख्यमंत्री को विचारना चाहिए कि अमूमन वकीलों तो क्या जिला जजों के लिए न तो ढंग की बैठने की जगह है, न स्वच्छ/शीतल जल है। एसी तो बहुत दूर की बात है। प्रधान न्यायाधीश द्वारा की गई मुख्यमंत्री की तारीफ में इसका ख्याल किया जाना लाजिमी था क्योंकि जिलों में कार्यरत वकीलों व न्यायाधिकारियो को भी शीघ्राधिकारियों से उम्मीद होती है कि वे उनकी दशा पर भी दो बाले बोलें। यह पहला मौका था जब प्रधान न्यायाधीश के तौर पर वे इलाहाबाद गए थे। हालांकि उन्होंने अपने वक्तव्य में उन्होंने सेवानिवृत्त होने के बाद आगे की बात कहने पर भी जोर दिया। जैसा कि वे इसी वर्ष नवम्बर में रिटायर हो रहे हैं। देश की मौजूदा राजनीति में न्यायपालिका की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती जा रही है। संविधान समानता की दिशा तो दे रहा है मगर व्यावहारिक तथ्य यह भी है कि अभी भी बड़ा वर्ग आर्थिक–सामाजिक तौर पर वंचित है जिन्हें राजनीतिक दल केवल वोट बैंक के नजरिए से आंकते हैं। देश का वह आखरी नागरिक आज भी कातर भाव से शीर्ष पर बैठे लोगों को ताक रहा है जिसे न तो अपने अधिकारों का ज्ञान है, न ही उसकी तूती की आवाज में दम है।

कानूनी सुधारों ने महिला सुरक्षा को नया स्वप दिया

सरकार ने देश भर में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (त्वरित न्याय प्रदान करने के लिए स्थापित विशेष न्यायालय) की स्थापना की शुरुआत की और आज ऐसी 745 अदालतें क्रियाशील हैं। इनमें 404 विशेष रूप से यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत मामलों को निपटाती हैं। वर्ष 2014 की तुलना में जब वन स्टॉप सेंटर (शारीरिक, यौन, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक शोषण का सामना करने वाली महिलाओं की सहायता और निवारण संबंधी केंद्र) अस्तित्व में नहीं थे, अब 820 से अधिक जिलों में ये पूरी तरह कार्यान्वित हैं जो हिंसा से प्रभावित किसी भी महिला को एक ही स्थान पर कानूनी सहायता, पुलिस हस्तक्षेप, आश्रय और परामर्श प्रदान करते हैं। इस पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में आरंभ की गई राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन 181 ने हर दिन चौबीसों घंटे 86 लाख से अधिक महिलाओं को आपातकालीन सहायता प्रदान की है। इसके अलावा, देश भर में 14,600 से अधिक पुलिस स्टेशनों (पुलिस थाने) में अब महिला हेल्प डेस्क स्थापित हैं, जिनमें महिला अधिकारी मौजूद हैं।

सुश्री सावित्री ठाकुर

2012 में क्रूर निर्भया कांड ने देश की अन्तरात्मा को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा में भारत के कानूनी और प्रशासनिक ढांचे की गहरी कमियों को भी उजागर कर दिया था। अपर्याप्त पुलिस व्यवस्था, धीमी न्यायिक प्रक्रिया, पुराने पड़ चुके कानून और पीड़ितों के ना–काफी सहायता इंतजाम निराशाजनक तस्वीरें पेश कर रहे थे।2014 तक, भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा था। जनता में जबरदस्त आक्रोश था। लेकिन कानूनी तंत्र सुस्त पड़ा था। फास्ट ट्रैक कोर्ट महज एक अवधारणा थी, वास्तविकता नहीं। कोई एकल समाधान और केंद्र नहीं थे, कोई राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन नहीं थी, जांच तेज़ करने के लिए कोई फोरेंसिक (न्यायालयिक विज्ञान जांच) सहायता नहीं थी और इन उपायों के संचालन के लिए कोई समर्पित निधि भी नहीं थी। महिलाओं के मुद्दों को सामाजिक सरोकारों के तौर पर देखा जाता था– राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के रूप में नहीं।

मोदी युगः सुरक्षा से संरचनात्मक सशक्तिकरण तक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों के शासन में सुस्त आंशिक प्रतिक्रिया की जगह अब कानूनी सुधार, संस्थानों के दायित्वपूर्ण रवैये और हर महिला के सम्मान से संबधित दृष्टिकोण को मिशन–मोड में अपनाते हुए व्यापक बदलाव किया है।

कानूनी सुरक्षा, अब राष्ट्रीय प्रतिबद्धता

सरकार ने देश भर में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (त्वरित न्याय प्रदान करने के लिए स्थापित विशेष न्यायालय) की स्थापना की शुरुआत की और आज ऐसी 745 अदालतें क्रियाशील हैं। इनमें 404 विशेष रूप से यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत मामलों को निपटाती हैं। वर्ष 2014 की तुलना में जब वन स्टॉप सेंटर (शारीरिक, यौन, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक शोषण का सामना करने वाली महिलाओं की सहायता और निवारण संबंधी केंद्र) अस्तित्व में नहीं थे, अब 820 से अधिक जिलों में ये पूरी तरह कार्यान्वित हैं जो हिंसा से प्रभावित किसी भी महिला को एक ही स्थान पर कानूनी सहायता, पुलिस हस्तक्षेप, आश्रय और परामर्श प्रदान करते हैं। इस पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्से के रूप में आरंभ की गई राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन 181 ने हर दिन चौबीसों घंटे 86 लाख से अधिक महिलाओं को आपातकालीन सहायता प्रदान की है। इसके अलावा, देश भर में 14,600 से अधिक पुलिस स्टेशनों (पुलिस थाने) में अब महिला हेल्प डेस्क स्थापित हैं, जिनमें महिला अधिकारी मौजूद हैं। यह महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराध की स्थिति में पहले बरते जाने वाली उदासीनता या यहां तक कि आक्रामकता के माहौल की अपेक्षा अधिक संवेदनशीलता और सहायता प्रदान करने के माहौल में बदल गए हैं। निर्भया कोष के ज़रिए सरकार ने वर्ष 2014 से पहले की ढुलमुल प्रतिक्रिया प्रणाली की तुलना में अब महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा पर केंद्रित 50 से ज़्यादा बड़ी परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की है।

प्रगतिशील कानूनी संशोधन

आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 में कुछ आवश्यक सुधारों से शुरुआत के बाद अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और 2023 में संबंधित कानूनों के व्यापक संहिताबद्ध किए जाने से औपनिवेशिक युग के आपराधिक न्यायशास्त्र की जगह अब भारतीय संदर्भ में कानून परिभाषित किए गए हैं।नए कानूनों में महिलाओं के विरूद्ध सभी अपराधों को एक अध्याय में समेकित किया गया है। पीड़ित के बयानों को वीडियो–रिकॉर्ड किया जाना अनिवार्य बनाया गया है जिसमें संवेदनशीलता बरतने के लिए महिला मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में बयान दर्ज कराने को प्राथमिकता दी गई है। डिजिटल स्टॉकिंग (डिजिटल माध्यम से पीछा करना), वॉयरिज्म (रति क्रिया छुपकर देखना) और शादी के झूठे वादे कर शारीरिक शोषण जैसे अपराधों को पहली बार आपराधिक बनाया गया है। कानूनी प्रणाली में अब तेजाब हमलों, मानव तस्करी, सामूहिक बलात्कार और हिरासत में यौन हिंसा के विरूद्ध कठोर दंड की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, बलात्कार पीड़िता को प्राथमिकी दर्ज करने या आपातकालीन चिकित्सा देखभाल प्रदान न करना भी अपराध माना गया है। पुराने संरक्षणवादी प्रतिबंधों को हटाते हुए महिलाओं को अब कानूनी रूप से किसी भी क्षेत्र में और किसी भी समय काम करने की अनुमति है, जो उनके खुद निर्णय लेने की आजादी की पुष्टि करते हैं। महत्वपूर्ण प्रक्रियागत सुधार भी किए गए हैं जिनमें गवाहों की सुरक्षा और डिजिटल साक्ष्यों को मंजूरी देना शामिल है। यौन हिंसा के मामलों में पीड़ितों को न्याय दिलाने की प्रक्रिया को यह पुनर्परिभाषित करता है।

ये सभी केवल संशोधन भर नहीं हैं – ये पीड़ितों को न्याय दिलाने की प्रणाली को पुनःस्थापित करते हैं।

कानून से परे भी सशक्तिकरण

कानूनी सुरक्षा के दायरे से परे, महिलाओं के प्रति सरकार का दृष्टिकोण सामाजिक, वित्तीय और डिजिटल सशक्तिकरण के व्यापक पहलुओं में कानूनी सुधार लाना है। मातृत्व अवकाश को अब 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया है, और 50 से अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों मैं अब क्रेच (बच्चों की देखभाल) की सुविधा प्रदान करना आवश्यक है। महिलाएं अब सशस्त्र बलों में युद्धक–भूमिकाओं में सक्रियता से भाग ले रही हैं। वे सैनिक स्कूलों में प्रवेश पा रही हैं, प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दाखिला ले रही हैं, और स्थायी कमीशन प्राप्त कर रही हैं। ये ऐसे उल्लेखनीय बदलाव हैं जो पहले उनके लिए बहुत मुश्किल थे। तीन तलाक जैसी भेदभावपूर्ण प्रथाओं को कानूनी तौर पर समाप्त कर दिया गया है, साथ ही महिलाओं को अब पुरुष अभिभावक के बिना भी हज यात्रा करने की अनुमति है। न्याय प्रदान करने को अब समुदाय–आधारित नारी अदालतों और शी–बॉक्स 2.0 जैसे प्लेटफार्म के माध्यम से विकेंद्रीकृत और डिजिटीकृत किया गया है। इससे सीधे जमीनी स्तर पर समयबद्ध निवारण तंत्र सक्रिय हो गया है।

सुरक्षित, मजबूत भारत की शुरुआत कानूनी गरिमा से

वर्ष 2014 से पहले, महिलाओं की सुरक्षा को अक्सर नीति नहीं बल्कि सुर्खियों से प्रेरित प्रतिक्रियात्मक मुद्दे के रूप में देखा जाता था लेकिन आज यह शासन की संरचना में अंतर्निहित है जो वित्त पोषित, फोरेंसिक उपकरणों, कानूनी सुधार और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं द्वारा सहायता प्रदत्त है।अमृत काल में प्रवेश करने के साथ ही अब स्पष्ट दृष्टि है कि इस नए भारत में कोई भी महिला अकेली नहीं है। अब उसकी सुरक्षा विशेषाधिकार नहीं बल्कि सरकार की क्षमता से समर्थित संवैधानिक गारंटी है। यह यात्रा अभी जारी है, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा में हम अब तक एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। निरंतर राजनीतिक इच्छाशक्ति, सामाजिक भागीदारी और कानूनी प्रतिबद्धता के साथ, भारत निश्चित रूप से एक महिला के रहने, काम करने और नेतृत्व करने का सबसे सुरक्षित स्थान बन सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश के दो परस्पर विरोधी दृश्य

अवधेश कुमार

हमारे सामने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर देश के दो परस्पर विरोधी दृश्य हैं। विदेश गए सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने इस तरह भारत का पक्ष प्रस्तुत किया जैसे देश पाकिस्तान केंद्रित सीमा पार आतंकवाद, जम्मू–कश्मीर तथा 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पूरी तरह एकजुट है और कोई विपक्ष है ही नहीं।दूसरी ओर आप पहलगाम हमले से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूर' और उसके बाद देश के अंदर विपक्ष की भूमिका देखिए, किसी भी देशभक्त और सच्चाई का ज्ञान रखने वाले निष्पक्ष व्यक्ति का दिल दहल जाएगा या फिर उसको गुस्सा आएगा। ऐसा कोई दिन नहीं जब विपक्ष के बड़े नेता 'ऑपरेशन सिंदूर' पर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश नहीं कर रहे।

लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पहले दिन से प्रश्न उठा रहे हैं कि हमारे कितने लड़ाकू विमान को नुकसान हुआ। लगभग यही स्वर कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे का है। जयराम रमेश ने तो लगता है जैसे 'ऑपरेशन सिंदूर' को ही अपने सोशल मीडिया का मुख्य विषय बना दिया है। सबसे अंतिम हमला सिंगापुर शंग्रीला सम्मेलन में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान के भाषण और ब्लूमबर्ग को दिए साक्षात्कार पर है। सभी नेता एक साथ टूट पड़े हैं कि अब सरकार बताए कि कितने राफेल नष्ट हुए, इस पर संसद का विशेष सत्र बुलाएं तथा रिव्यू कमेटी यानी पुनरीक्षण समिति बनाया जाए। इसमें यहां विस्तार से जाने की आवश्यकता नहीं है।

सीडीएस का पूरा इंटरव्यू सबके सामने है। उसमें कहीं नहीं है कि पाकिस्तान ने हमारे कितने लड़ाकू विमान गिराए या हमें कोई बड़ी क्षति हुई। यह सामान्य बात है कि कोई भी युद्ध या लड़ाई एकपक्षीय क्षति वाली नहीं होती। यही सीडीएस ने कहा है। किसी को ज्यादा क्षति होगी किसी को कम। मूल बात यह है कि भारत ने पाकिस्तान के सैन्य दुस्साहस का ऐसा करारा प्रत्युत्तर दिया, जिससे उसकी हुई व्यापक क्षति के बारे में दुनिया के विशेषज्ञ बता रहे हैं और उनसे संबंधित उपग्रह के चित्र आदि सामने ले जा चुके हैं। कई बार लगता है कि हम सरकार को घेर रहे हैं सेना और देश को नहीं। किंतु इसका दूसरा पहलू यही है कि सरकार निर्णय करती है क्रियान्वित सेना करती है।सेना सरकार के लिए नहीं देश के लिए सैन्य कार्रवाई करती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में सरकार ने यह तय नहीं किया होगा कि सेना कैसे कार्रवाई करे कि हथियार, लड़ाकू विमान, मिसाइल, राडार आदि का प्रयोग करें या कितने जवान उनमें लगें। जिस तरह पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री सीडीएस, तीनों सेना के प्रमुखों से लेकर विदेश मंत्री, उनसे जुड़े मंत्रालय, रक्षा मंत्री, मंत्रालयों के अधिकारी एवं अन्य अलग–अलग आवश्यक क्षेत्र के शीर्ष लोगों से मिल रहे थे उससे साफ था की रणनीति पर गहराई से विचार हो रहा है। निश्चित रूप से सैन्य रणनीतिकारों ने अपनी पूरी स्थिति से अवगत कराते हुए उन्हें आस्त किया होगा या फिर उनकी जो आवश्यकता होगी उसके बारे में बात की होगी।सरकार यानी राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका साहसपूर्वक निर्णय करने के साथ सेना को कार्रवाई और रणनीति की संपूर्ण स्वतंत्रता देना तथा अपने व्यवहार एवं कदमों से आस्त करना कि कार्रवाई में किसी तरह की आवश्यकता में कमी नहीं होगी। कहने का तात्पर्य कि पाकिस्तान की सैन्य प्रतिक्रियाओं का उत्तर हमारी सेना दे रही थी। यह भी सच है कि टकराव शुरू होने के बाद विदेश के प्रमुख नेताओं ने राजनीतिक नेतृत्व से ही संपर्क किया होगा। सरकार की ओर से अमेरिकी उपराष्ट्रपति, विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आदि ने कब–कब किसे कॉल किया इसका भी विवरण देश के सामने रखा जा चुका है।ट्रंप के भी वक्तव्य में क्या है? हमने दोनों देशों को समझाया..उन्हें कहा कि आपके साथ पूरा ट्रेड करेंगे..दोनों देश के नेताओं ने बुद्धिमता का परिचय दिया..हमने दो न्यूक्लियर यानी नाभिकीय संपन्न देशों के बीच नाभिकीय टकराव रोका आदि आदि। इसी में एक जगह उन्होंने किसी तटस्थ स्थान पर मध्यस्थता में बातचीत कराने का भी वक्तव्य दे दिया। यह बात अलग है कि अपनी मध्य पूर्व यात्रा के दौरान उन्होंने बोल दिया कि हमने कोई मध्यस्थता नहीं की। सामान्य तौर पर भी जिन्होंने भारत के वक्तव्यों पर ध्यान दिया होगा उन्हें स्पष्ट है कि हमारे स्टैंड में किंचित भी अस्पष्टता नहीं थी।10 मई को ही भारत ने साफ कर दिया कि किसी तरह की आतंकवादी घटना युद्ध मानी जाएगी। दूसरे, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन, फिर आदमपुर और बीकानेर के भाषणों में एक–एक बिंदु रख दिया कि आतंकवाद और बातचीत, व्यापार और आतंकवाद नहीं चलेगा। यहां तक कि पानी और खून भी एक साथ नहीं बहेगा। यह भी कहा कि अब अगर आतंकवादी घटना हुई तो सेना को सीधा नुकसान उठाना पड़ेगा। हम इसे केवल आतंकवादियों की नहीं मानकर पाकिस्तान सरकार और सेना की कार्रवाई मानेंगे और उसी प्रकार प्रत्युत्तर देंगे। सबसे बढ़कर पाकिस्तान से बातचीत होगी तो केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर। बावजूद आप लगातार प्रश्न उठा रहे हैं तो इसे भारत या सेना का कतई समर्थन नहीं कहा जाएगा। यह सेना व देश दोनों का विरोध है। विडंबना देखिए कि अमेरिका भी नहीं कह रहा है कि हमने दबाव डालकर युद्धविराम कराया या रुकवाया, मध्यस्थता शब्द भी कहीं से नहीं आ रहा।

सोनाक्षी सिन्हा की निकिता रॉय का ट्रेलर जारी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पिछली बार फिल्म काकुडा में नजर आई थीं। उनकी यह फिल्म 12 जुलाई, 2024 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। अब सोनाक्षी जल्द ही फिल्म निकिता रॉय के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी।

यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए सोनाक्षी करीब 3 साल बाद बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। अब निर्माताओं ने निकिता रॉय का ट्रेलर जारी कर दिया है। इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा कर रहे हैं। सोनाक्षी के अलावा इस फिल्म में परेश रावल, सुहैल नय्यर और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। सोनाक्षी ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, एक ऐसी दुनिया में आइए, जहां हकीकत धुंधली और अज्ञात हावी हो जाता है। रोमांच और दिमाग घुमा देने वाले रहस्य के लिए तैयार हो जाइए। निकिता रॉय को 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

शनाया कपूर की डेब्यू फिल्म का पहला गाना नजारा जारी

अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। पिछले कुछ दिनों से वह अपनी डेब्यू फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में शनाया की जोड़ी विक्रांत मैसी के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। अब आंखों की गुस्ताखियां का पहला गाना नजारा रिलीज हो गया है, जिसमें शनाया और विक्रांत एक–दूजे के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। नजारा गाने को विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। इस गाने के बोल भी इन्होंने ही लिखे हैं। शनाया और विक्रांत की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है। संतोष सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

एफआईएच प्रो लीग में भारतीय हॉकी टीम की लगातार चौथी हार, अर्जेंटीना ने 2–1 से हराया

नई दिल्ली,भारत को मौजूदा एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा, जब अर्जेंटीना के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में उसे 1–2 से हार झेलनी पड़ी. भारत को पेनल्टी के रूप में स्कोर बराबर करने की उम्मीद मिली. हालांकि, गोल को अस्वीकार कर दिया गया और जुगराज सिंह के पास एक और मौका था, लेकिन वह चूक गए. पेनल्टी कॉर्नर के जरिए टॉमस डोमेने के दो गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने दो दिनों में दो जीत दर्ज की और अपने अंकों की संख्या 18 पर पहुंचा दी.

हार्दिक सिंह ने खेल शुरू होने के सिर्फ 4 मिनट बाद ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और भारत को बढ़त दिला दी. हालांकि, डोमेने ने अपने पेनल्टी कॉर्नर पर निशाना साधा और दोनों मौकों को गोल में बदल दिया. भारत के गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक को पहले 10 मिनट में तीन बार एक्शन में लाया गया, जबकि अर्जेंटीना की टीम ने तीसरे प्रयास में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया. अर्जेंटीना ने अपने खेल में अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बेहतर बॉल पोजेशन के साथ भारत पर दबाव बनाया.

भारत दूसरे क्वार्टर में आक्रामक था और उसने अर्जेंटीना के गोलकीपर टॉमस सैंटियागो को कई बार चुनौती दी. तीसरा क्वार्टर भी दूसरे क्वार्टर की तरह गोल रहित रहा और दोनों टीमों ने सतर्कता बरती. चौथे और अंतिम क्वार्टर में भी कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई, लेकिन डोमेने ने अर्जेंटीना के लिए पीसी को गोल में बदल दिया और यह निर्णायक साबित हुआ.

हार के साथ, भारत अंक तालिका में इंग्लैंड और बेल्जियम से नीचे 5वें स्थान पर खिसक गया. अर्जेंटीना रैंकिंग में दो पायदान ऊपर उठकर प्वाइंट्स में दूसरे स्थान पर पहुंच गया.

मालिक का पहला गाना नामुमकिन रिलीज

राजकुमार राव अब गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं. एक्टर फिल्म मालिक में नजर आएंगे, जिसका बीती 3 जून को टीजर रिलीज हुआ है. अब फिल्म मालिक से इसका पहला गाना नामुमकिन रिलीज हो गया है. इसी के साथ फिल्म में भारत की छठी मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर की एंट्री हो गई है. गाने में दोनों की केमिस्ट्री बेहद खूबसूरत दिख रही है. इससे पहले टीजर में राजकुमार राव ने गैंगस्टर स्टाइल में भी अपने अभिनय से चौंकाने वाला काम किया था. मालिक का टीजर अपने डायलॉग से भी हिट होने वाला है. बता दें, बीते साल 31 अगस्त को एक्टर ने फिल्म का एलान किया था. सॉन्ग नामुमकिन को वरुण जैन, श्रेया घोषाल, सचिन–जिगर ने मिलकर गाया है. गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं. गाने के सचिन जिगर ने म्यूजिक दिया है. इससे पहले 1.21 मिनट के मालिक के टीजर में मार–काट देखने को मिली थी. सफेद कपड़ों में हाथ में फावड़ा लिए उठते नजर आ रहे राजकुमार के अंदर मालिक बनने का खून सवार है और वह अपने दुश्मनों को लहुलूहान कर पैक कर रहे हैं. टीजर में राजकुमार का डायलॉग मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या बन तो सकते हैं रोंगटे खड़े करने वाला सीन है. राजकुमार राव ने 31 अगस्त 2024 को अपने बर्थडे पर मालिक का खुलासा अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कर फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी थी. वहीं, फिल्म से एक्टर का एक धांसू फर्स्ट लुक पोस्टर भी रिलीज हुआ था, जिसमें एक्टर हाथ में गन लिए एक जीप पर खड़े थे. फर्स्ट लुक में राजकुमार राव एक गैंगस्टर के लुक में दिख रहे थे.

इंग्लैंड सीरीज से पहले भारत को लगा बड़ा झटका, टीम इंडिया को छोड़कर वापस लौटे गौतम गंभीर

नई दिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड से भारत लौट आए हैं. उनके भारत आने की वजह पारिवारिक कारण बनाए जा रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो गंभीर की मां को हार्ट अटैक आया जिसके चलते उन्हें शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड में ही छोड़कर वापस आना पड़ा है. भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाजा होने वाला है. उससे पहले ये भारतीय क्रिकेट टीम की तैयारियों को बड़ा झटका है. रिपोर्ट्स के अनुसार, गौतम गंभीर की मां को दिल का दौरा पड़ा है और वो अस्पताल में भर्ती हैं. दिल्ली में आईसीयू में उनका उपचार किया जा रहा है. अभी गंभीर या बीसीसीआई की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है.

गौतम गंभीर को जुलाई 2024 में तीनों फॉर्मेट में भारतीय क्रिकेट टीम का कोच बनाया गया. उनके नेतृत्व में भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज 3–0 से गंवाई. इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 3–1 से हारा था. ये गौतम गंभीर की बतौर कोच गंभीर की चौथी टेस्ट सीरीज हैं. गंभीर भारतीय क्रिकेट टीम के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के साथ इंग्लैंड सीरीज में नजर आने वाले हैं. गंभीर के भारत लौटने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम आज से बेकेनहैम में अपना इंट्रा स्क्वाड मैच शुरू करेगी.ये मैच चार दिवसीय मैच होगा.

एक नजर

राइंकॉ बग्याली की शिक्षिका के साथ हुई अभ्रदता की होगी जांच

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष ने पौड़ी में विभिन्न विभागीय अफसरों के साथ बैठक की। बैठक में आयोग अध्यक्ष ने लोनिवि, यूपीसीएल, जलसंस्थान आदि महकमों के कामों की समीक्षा भी की। बैठक में आयोग अध्यक्ष ने एकेश्वर ब्लाक के राजकीय इंटर कॉलेज बग्याली में शिक्षिका के साथ हुई अभद्रता के मामले में संज्ञान लेते हुए डीईओ माध्यमिक को जांच के निर्देश दिए।

मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वीके बिष्ट ने कहा कि जांच के बाद जो भी दोषी हो उस पर नियमानुसार कार्रवाई करें और भविष्य में इस प्रकार की शिकायत आती है तो तत्काल कार्रवाई अमल में लाई जाए। अधिकारियों से कहा कि मानसून में बिजली, पानी और सड़कों पर ध्यान दिया जाए, यदि बाधित होती है तो उन्हें समय से ठीक किया जाए। इसके लिए तैयारियां पूरी हो, ताकि आम लोगों को परेशानियां न हो। बैठक में डीएम डॉ. आशीष चौहान, सीओ त्रिवेंद्र सिंह राणा, डीईओ रणजीत सिंह नेगी, ईई जल संस्थान एसके रॉय, ईई यूपीसीएल संजय कुमार आदि अफसर मौजूद रहे।

पुलिस ने 10 वाहन किये सीज, 208 चालकों के काटे चालान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : ऑपरेशन लगाम अभियान के तहत जनपद पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि पुलिस ओवरलोडिंग, रैश ड्राइविंग और नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है।

शुक्रवार को अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चला रहे 10 चालकों के वाहन सीज किए गए, जबकि 208 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाकेश्वर सिंह ने बताया कि सभी थाना और यातायात प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों, विशेषकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। बताया कि चेकिंग के दौरान पौड़ी 1, लक्ष्मणझूला 4, कोटद्वार 4 और यातायात कोटद्वार 1 वाहन को सीज कर सभी चालकों के खिलाफ एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। साथ ही उनके ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

15 जून को होगा आध्यात्म महोत्सव

श्रीनगर गढ़वाल : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से 15 जून को श्रीनगर में संस्कृति, संगीत और आध्यात्म महोत्सव के साथ नशा मुक्त उत्तराखंड अभियान का शुभारंभ भी होगा। राजयोगी मेहरचंद ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा उत्तराखंड में राज्य स्तरीय महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कहा कि इस दौरान उत्तराखंड, हिमांचल एवं माउंट आबू राजस्थान के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा नशा मुक्त जीवन से लेकर योगध्यान को लेकर व्याख्यान दिया जायेगा। बताया कि कार्यक्रम का आयोजन 15 जून को नगर के सर्राफा धर्मशाला में प्रातः दस बजे से होगा। (एजेंसी)

आमसौड़ के लिए कार्य योजना बनाकर बजट जारी करें सिंचाई विभाग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी में शुक्रवार को मौसम का मिजाज बदला रहा। रुक-रुक कर सुबह से ही बारिश होती रही। बारिश होने गर्मी से राहत मिल गई। डीएम ने आम जन की सुरक्षा एवं राहत कार्यों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आमसौड़ में घरों को संभावित खतरे से बचाने व विस्थापन की आवश्यकता की स्थिति में सिंचाई विभाग को कार्य योजना बनाकर तत्काल बजट जारी करने को कहा। मानसून को देखते हुए पौड़ी के डीएम डॉ. आशीष चौहान ने भूस्खलन प्रभावित व नदी जल स्तर बढ़ने से संभावित रूप से प्रभावित क्षेत्रों में आम जन की सुरक्षा एवं राहत कार्यों की तैयारियों की समीक्षा की। कहा कि कोटद्वार क्षेत्र के नालों की सफाई समय से कर ली जाए। डीएम ने मानूसन सीजन में स्कूली बच्चों की आवाजाही व गर्भवती महिलाओं के उपचार आदि की भी कार्य योजना अभी से बनाने को कहा। डीएम ने कहा कि पानी, बिजली और सड़कों को लेकर भी संबंधित अफसर किसी तरह की लापरवाही न बरते। उन्होंने दुगड्डा क्षेत्र में पुलों की जांच के निर्देश अधिशासी अभियंता को दिए।

मोबाइल पर ओटीपी पूछ रकम ठगने वाला गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार निवासी एक व्यक्ति से मोबाइल पर ओटीपी पूछ एक लाख तीन हजार रूपये की ठगी करने वाले साइबर अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि मामले में 14 अप्रैल को कोटद्वार निवासी मनोज शर्मा की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को पीएनबी बैंक का अधिकारी बताया और खाता अपडेट करने के लिए मोबाइल पर आए ओटीपी नंबर को पूछा। बताया कि जैसे ही उन्होंने युवक को वह ओटीपी नंबर दिया उनके खाते से अलग-अलग समय पर एक लाख तीन हजार रुपये निकल गए। अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह ने बताया कि जांच में जिस खाते में बैंक से रकम ट्रांसफर हुई है वह दिल्ली के आसपास संचालित हो रहा है। पुलिस ने बैंक के माध्यम से पूरी जानकारी जुटाई। जिसके बाद युवक की पहचान उत्तर प्रदेश ग्राम भमरा, गुलावठी, बुलंदशहर निवासी सुहेल खान के रूप में हुई। बताया कि सहेल खान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। लेकिन, वह हर बार अपना ठिकाना बदल रहा था। जिसके बाद पुलिस ने उसे दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली पुलिस की हिरासत में साइबर अपराधी

बेस अस्पताल से नेत्र चिकित्सक का हुआ स्थानांतरण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में तैनात एक मात्र नेत्र चिकित्सक डा. दिनेश कुमार का स्थानांतरण हो गया है। ऐसे में अब तक उनके स्थान पर किसी अन्य चिकित्सक की तैनाती नहीं हो पाई है। इस स्थिति में दूर-दराज से आने वाले मरीजों को परेशानियों का सामन करना पड़ सकता है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की घोर कमी से जूझ रहे कोटद्वार के बेस चिकित्सालय को एक और झटका लगा है। दरअसल, चिकित्सालय के नेत्र विभाग में सृजित दो पदों के सापेक्ष मात्र एक पद पर तैनात नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. दिनेश कुमार सिंह का स्थानांतरण हो गया है। हालांकि, अभी तक डा. सिंह को चिकित्सालय से रिलीव नही किया गया है। लेकिन, उनके रिलीव होने पर चिकित्सालय का नेत्र विभाग चिकित्सक विहीन हो जाएगा। यहां यह बताया बेहद जरूरी है कि वर्तमान में चिकित्सालय में विभिन्न विभागों में सृजित विशेषज्ञ चिकित्सकों के सृजित तीस पदों के सापेक्ष मात्र 13 पदों पर ही चिकित्सक की तैनाती है। इनमें भी हड्डी रोग विभाग में दोनों विशेषज्ञ चिकित्सक संविदा पर तैनात हैं।

नलकूपों के संचालन के लिए समिति का गठन

विभाग को वर्षों से क्षतिग्रस्त गूलों पर भी ध्यान देना चाहिए

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 37 पश्चिमी झंडीचौड़ में स्थापित दो नलकूपों के संचालन के लिए समिति का गठन किया गया। इस दौरान काश्तकारों ने विभाग से सिंचाई गूलों की मरम्मत की भी मांग उठाई।

बैठक में पार्षद सुखपाल शाह ने कहा कि विभाग नलकूपों की बेहतर देखरेख के लिए नलकूप संचालन समिति का गठन कर रहा है। लेकिन, विभाग को वर्षों से क्षतिग्रस्त गूलों पर भी ध्यान देना चाहिए। कहा कि नगर निगम गठन के बाद सिंचाई विभाग गूलों की मरम्मत का जिम्मा नगर निगम के पास होने की बात कहता है। जबकि, नगर निगम सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी बताकर अपना पल्ला झाड़ देता है। ऐसे में काश्तकारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण फसल सूखने की कगार पर पहुंच जाती है। बैठक के दौरान नलकूप संख्या दस की नलकूप संचालन समिति में पुष्पा देवी, नलकूप ऑपरेटर मनोज, कृषक सोहन लाल, सुधाकर सिंह, चंद्र सिंह, महेंद्र सिंह रावत, जय सिंह गोसाई, सरला देवी, सुनीता देवी, बसंती देवी, गोविंद सिंह, राम सिंह, भूपेंद्र सिंह, नलकूप मित्र भूपेंद्र सिंह (चौकीदार) को शामिल किया गया, जबकि नलकूप संख्या एक में लव किशोर शर्मा को नलकूप मित्र (चौकीदार) की नियुक्ति दी गई।

जमकर बरसे बदरा, गर्मी से राहत

बारिश के दौरान देवी रोड में सड़क पर भरा पानी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी की मार झेल रहे शहर वासियों को शुक्रवार सुबह हुई बारिश से काफी राहत मिली। लोगों ने घरों से बाहर निकलकर मौसम का आनंद उठाया। वहीं, करीब डेढ़ घंटे चली बारिश से पूरा शहर पानी-पानी हो गया। जल भराव ने नगर निगम की ओर से किए किए जा रहे नालियों की सफाई के दावों की पोल खोलकर रख दी।

पिछले दो दिन से गर्मी का पारा चालीस पार पहुंच गया था। ऐसे में शुक्रवार सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ था। सुबह आठ बजे अचानक तेज बारिश शुरु हो गई। बारिश ने लोगों को गर्मी से निजात दिलवा दिया। वहीं, सड़कों पर हुए जल भराव ने चुनौती भी खड़ी कर दी। देवी रोड, झंडाचौक सहित अन्य कई स्थानों पर घुटने-घुटने तक पानी भर गया। सबसे अधिक परेशानी पैदल चलने वालों को उठानी पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पहली बारिश में ही शहर की स्थिति बेपटरी हो गई तो वर्षा काल में चुनौती और अधिक बढ़ जाएगी।

बोर्ड परीक्षा के 52 मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज कोटद्वार की ओर से सुबेदार बलभद्र सिंह नेगी प्रतिभा सम्मान समारोह-2025 का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि और कॉलेज के निदेशक ने सीबीएसई जिला टॉपर अमायरा सिंगल, आईएसई जिला टॉपर अश्मी पुंडीर, उत्तराखंड बोर्ड की प्रदेश में आठवीं रैंक राखी नेगी सहित 52 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

बलभद्रपुर बीईएल रोड स्थित कालेज परिसर में आयोजित समारोह का बतौर मुख्य अतिथि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी, कालेज के निदेशक बीएस नेगी, कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ. डीएस नेगी ने कहा कि पूर्व में संसाधनों और गाईडेंस की कमी के कारण बच्चे गलत दिशा में पढ़ाई करते थे, जिसका उन्हें बाद में पछतावा होता है, लेकिन, वर्तमान में संसाधनों की कमी नहीं है, आईएचएमएस कालेज कोटद्वार में बच्चे प्रोफेशनल कोर्स कर अपना भविष्य संवार रहे है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से गुरुजनों के बताएं मार्ग पर चलकर अपने विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करने की अपील की। समारोह में कालेज की ओर से मुख्य अतिथि ने 12वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कोटद्वार और निकटवर्ती पर्वतीय क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के 52 छात्र-छात्राओं को प्रशस्तिपत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कालेज की ओर से एमडी बीएस नेगी ने मुख्य अतिथि डॉ. डीएस नेगी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कालेज के डायरेक्टर एकेडमिक डॉ. अश्वनी कुमार, जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, एडमिशन इंचार्ज विजय पंत, श्रुति नेगी, रोबिन त्यागी, बंदना नेगी, राहुल गुसाईं, वेद प्रकाश राठौर, एसपी चमोली आर्य आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सोनिया कुमारी ने किया।

केंद्रीय विद्यालय की कक्षाओं का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज कण्वघाटी में केंद्रीय विद्यालय की कक्षाओं के संचालन की प्रक्रिया तेज होने लगी है। शुक्रवार को केंद्रीय विद्यालय लैंसडौन की प्रधानाचार्य अक्षिता चौधरी ने कक्षाओं के संचालन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन से भी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की अपील की।

शुक्रवार को टीम ने कोटद्वार पहुंचकर कक्षा-कक्षाओं का निरीक्षण किया। कहा कि जल्द ही कक्षाओं का संचालन प्रारंभ हो जाएगा। टीम ने विद्यालय परिसर में पानी, बिजली, साफ-सफाई व शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान राजकीय इंटर कालेज कण्वघाटी के विद्यालय प्रशासन ने तहसीलदार साक्षी उपाध्याय की मौजूदगी में केंद्रीय विद्यालय की कक्षाओं के लिए तैयार किए गए कक्षा-कक्षों को केंद्रीय विद्यालय को हस्तांतरित किया। तहसीलदार साक्षी उपाध्याय ने बताया कि विद्युत विभाग और जल संस्थान को विद्यालय में अविलंब पेयजल व विद्युत कनेक्शन लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

शुक्रवार को केवी कक्षाओं के संचालन की व्यवस्थाएं देखने पहुंची टीम

खेती की आधुनिक तकनीकी को अपनाने पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड पौड़ी के केवर्स गांव में शुक्रवार को जल उत्सव जल संरक्षण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को कृषि यंत्र और बीजों का भी वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि सरकार भी योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही हैं और लोगों को भी चाहिए कि वह अपने स्तर से भी जो प्रयास हो सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी ने कहा कि आज खेती की आधुनिक तकनीकी को अपनाना होगा। साथ ही सरकार की कई योजनाएं भी संचालित हो रही है स्थानीय काश्तकार इनका लाभ उठाएं। जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि खेती के लिए भी पानी जरूरी है लिहाजा ऐसी प्रजाति के पौधों को लगाना चाहिए जो जल संरक्षण में सहायक हो। चाल खालो को फिर से पुनर्जीवित किया जाए। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी सौरभ हांडा, ग्राम विकास अधिकारी पवन नेगी, कैलाश रावत, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नरेश रावत, विपिन गैरोला, सुशील कुमार आदि मौजूद रहे।

डेंगू जागरूकता के लिए अभियान चलाने के निर्देश

श्रीनगर गढ़वाल : डेंगू नियंत्रण को लेकर उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर में आवश्यक बैठक की गई। सीएमओ पौड़ी के निर्देश पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौतम नैथानी ने आशा कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों, चिकित्सकों, मलेरिया नियंत्रण अधिकारी व कर्मियों की बैठक ली। डा. नैथानी ने श्रीनगर बिलकेदार, धारी देवी, कलियासौड़ सहित आदि स्थानों पर अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से एक सप्ताह में सोर्स रिडक्शन के लिए नगर के सभी घरों का निरीक्षण करने, मच्छरों का लार्वा मिलने पर सूचना नगर निगम प्रशासन को दिए जाने के निर्देश दिए। डॉ. नैथानी ने जनता से बुखार, बदन दर्द व सरदर्द होने पर तुरंत अस्पताल में अपनी जांच कराने की अपील की। इस मौके पर एमओआईसी डॉ. जीशांत, जिला मलेरिया अधिकारी इंद्रपाल सिंह आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

पंचायत चुनाव : सीटों के लिए हुआ अनन्तिम प्रकाशन, रविवार तक करें आपत्ति दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शुक्रवार को पंचायतों के लिए पौड़ी जिले के 15 ब्लाक प्रमुख , 38 जिला पंचायत सदस्य, 370 बीडीसी सदस्य व 1166 ग्राम प्रधान पदों के साथ ही 8188 ग्राम पंचायत सदस्यों की सीट के लिए अनन्तिम प्रकाशन कर दिया गया। जिले की 6 ब्लाक प्रमुख सीटों पर कोई बदलाव नहीं हुआ है।

जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत एवं जिलाधिकारी पौड़ी डॉ. आशीष चौहान ने इस प्रकाशन को करते हुए रविवार तक आपत्तियां मांगी है। आपत्तियां संबंधित बीडीओ, डीपीआरओ और डीएम दफ्तर में दी जा सकती है। इन आपत्तियों पर 16 जून को डीएम सुनवाई करेंगे। जिले की 6 ब्लाक प्रमुख सीटों पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। जिनमें थलीसैंण, यमकेश्वर, एकेश्वर, पौड़ी, द्वारीखाल, रिखणीखाल ब्लाक प्रमुख की सीटें शामिल है। पौड़ी, द्वारीखाल, एकेश्वर, रिखणीखाल सामान्य तो थलीसैंण और यमकेश्वर ब्लाक प्रमुख महिला सीट है। जबकि बीरोंखाल ब्लाक प्रमुख की अब तक सामान्य सीट को महिला के लिए आरक्षित कर दिया गया है। इसी तरह से दुगड्डा और पाबौ ब्लाक प्रमुख सीटें को महिला से सामान्य किया गया है।

कोट और कल्जीखाल ब्लाक जो अब तक महिला के लिए आरक्षित थी उसे एससी महिला के लिए आरक्षित किया गया है। जबकि खिर्सू और पोखड़ा ब्लाक प्रमुख की सीट को एससी महिला से सामान्य महिला के लिए आरक्षित किया गया है। नैनीडांडा सीट को एससी से सामान्य महिला के लिए आरक्षित किया गया है। आपत्तियों के बाद यदि कोई फेरबदल नहीं होता है तो जिले में आरक्षण की यही स्थित रहेगी।

महाविद्यालय में प्रवेश के लिए चलाया जागरूकता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण ने बीए और बीएससी के पहले साल में प्रवेश के लिए प्रचार अभियान चलाया। इस दौरान प्रचार-प्रसार कर छात्रों से महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए अपील की गई।

शुक्रवार को नगर पंचायत थलीसैंण, ग्राम जखोला, ग्राम ब्यासी, कुनैथ, बगवाड़ी, गंगाऊं, हंस्यूड़ी, ग्राम मुसेटी, ग्राम कैन्यूर में ग्रामीणों को सत्र 2025-26 में बीए. एवं बीएससी प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु जागरूक किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। सभी अपने इंटर पास बच्चों को वहां प्रवेश दिलाएं। संपर्क अभियान के तहत डॉ. छाया सिंह और डॉ. जूली ने नगर पंचायत थलीसैंण, डॉ. विक्रम रौतेला एवं डॉ. जया कृष्ण ने ग्राम जखोला, डॉ. विवेक रावत एवं डॉ. विकास प्रताप सिंह ने ब्यासी, कुनैथ और बगवाड़ी, डॉ. नीरज असवाल एवं डॉ. प्रमिला चौहान ने गंगाऊं और हंस्यूड़ी, जबकि डॉ. अतुल सिंह, डॉ. अजय कुमार एवं डॉ. भुवन मेलकानी ने मुसेटी और डॉ. प्रदीप कुमार एवं डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने कैन्यूर में संपर्क किया।

हिमालयन क्रांति संगठन के कार्यकर्ताओं ने किया जनसंपर्क

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : नवगठित हिमालयन क्रांति संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने सतपुली बाजार में जनसंपर्क किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पार्टी के दृष्टि पत्र वितरित किए।

शुक्रवार को मुख्य बाजार में जनसभा की गई। जिसमें वक्ताओं ने मूल निवास, रोजगार, सशक्त भूमि कानून, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, राजधानी गैरसैण के मुद्दों पर विचार व्यक्त किये। सभा को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेश उपाध्याय और प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह बिष्ट ने संबोधित किया। संचालन हंसादत्त बेलवाल ने किया। इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष अजय बिष्ट, प्रदेश अध्यक्ष महेश उपाध्याय, प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह बिष्ट, केंद्रीय कोषाध्यक्ष लाल सिंह बिष्ट, केंद्रीय संगठन सचिव लक्ष्मण सिंह रावत, जिलाध्यक्ष पौड़ी दिनेश सिंह बिष्ट, कुमाऊं मंडल संयोजक हंसादत्त बेलवाल, केंद्रीय संगठन सचिव लक्ष्मण सिंह रावत, सल्ट विधान सभा अध्यक्ष बीरेंद्र सिंह बंगारी, अमर सिंह मेहरा, राम सिंह रावत, महेश डर्बी, कुलवंत सिंह नेगी, बुद्धि बल्लभ सती, बृजेश चंद्र आदि मौजूद थे।

11 दिवसीय योग शिविर शुरू, लोग सीख रहे योग के गुर

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम स्थित डांग में 11 दिवसीय योग शिविर के शुभारम्भ पर सोसाइटी के सदस्यों सहित आसपास के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर के पहले दिन योगाचार्य एवं बालाजी योगपीठ के संस्थापक सूरज बडोनी ने योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया। बडोनी ने सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम, ध्यान एवं हास्यासन के गुर सिखाये। शिविर में मुख्य रूप से ताड़ासन, कटि मर्दासन, वृक्षासन, भुजंगासन आदि आसनों एवं दीर्घ श्वसन, शीतली, शीतकारी व कागा मुद्रा आदि जानकारी दी गई। योगाचार्य सूरज बडोनी ने कहा कि आजकल के भागदौड़ व तनावयुक्त माहौल में अपनी जीवन शैली को संवारने में योग की अहम भूमिका है। ऐसे में लोगों को स्वस्थ व मजबूत रहने के लिए नियमित तौर पर योग का अभ्यास करना चाहिए। डांग वार्ड नं 32 से पार्षद पंकज सती ने बताया कि शिविर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून तक चलाया जा रहा है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 13.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	65-DRM-MB-25-26 13.06.2025
कार्य का नाम	Complete turnout renewal by T-28 machine and allied miscellaneous track works in the jurisdiction of ADEN/RK under Sr.DEN/I/MB
निविदा प्रकार	Works
अनुमानित लागत	1,34,30,907.17
धरोहर राशि	2,17,200.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	01.07.2025 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	17.06.2025
आफर की वैधता	30 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह

1777/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	59-DRM-MB-25-26 Dt. 12.06.2025
कार्य का नाम	Repair of white wash, colour wash, painting of LHS and height gauges and repair of speed breakers in KRJ-MTC section in the section of SSE/W/B/HPU.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	08.07.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत (रु.)	54,99,877.49
धरोहर राशि (रु.)	1,10,000.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	24.06.2025

सं.: Sr. DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक: 13.06.2025 1759/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

आज लगेगा रक्तदान शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शनिवार को जिला चिकित्सालय पौड़ी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव केसर सिंह असवाल ने युवाओं, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर अभियान से जुड़े। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम, रक्त दें, आशा दें के साथ मिलकर बचाएं जीवन के तहत आमजन को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने को लेकर जन-जागरूकता कार्यक्रम भी होंगे।

होटल मैनेजर पर रकम और मोबाइल चोरी का आरोप

देहरादून। होटल संचालक ने रात्रि मैनेजर पर मोबाइल और 50 हजार रुपये नगदी चोरी कर फरार होने का आरोप लगाया है। धर्मेंद्र कुमार जीएमएस रोड मंडी के पीछे एवी रॉयल नाम से होटल चलाते हैं। उनका आरोप है कि बीते 28 अप्रैल से होटल का कर्मचारी आशुतोष वर्मा गायब है। उसका फोन नंबर भी बंद आ रहा है। आरोप है कि गायब होने से पहले वह होटल से करीब पचास हजार रुपये नगदी और मोबाइल फोन चुराकर ले गया है। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि मामले में आरोपी के खिलाफ गुरुवार रात मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

जनकवि अतुल शर्मा की पुस्तक का विमोचन

देहरादून। जनकवि डा. अतुल शर्मा की पुस्तक संस्मरणों की बैठक का विमोचन शुक्रवार को भाषा मंत्री सुबोध उनियाल ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि साहित्कारों के संस्मरणों को इस तरह संजोना काफी कठिन और महत्वपूर्ण काम था। जो जनकवि डा. अतुल शर्मा ने किया। समाजसेवी व राज्य आंदोलनकारी रविंद्र जुगरान ने बताया कि इस संग्रह में राहुल सांकृत्यायन ,विष्णु प्रभाकर, राष्ट्रीय कवि सोहनलाल द्विवेदी ,बाबा नागार्जुन, कवि त्रिलोचन शास्त्री, सोम ठाकुर, कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर आदि बडे साहत्यकारों पर लिखे डा अतुल शर्मा के अद्भुत संस्मरण शामिल हैं। कवयित्री रंजना शर्मा व कहानीकार रेखा शर्मा ने बताया कि यह सभी महान साहित्यकार डा शर्मा के घर आते रहे हैं। उन्होंने पुराने पोस्ट कार्ड व फोटो भी प्रकाशित ही है। जो एक दस्तावेज है। इस दौरान भाजपा नेता राजीव तलवार भी मौजद रहे।

लोगों को हटाने से पहले करें रहने की व्यवस्था

देहरादून।अखिल भारतीय ओबीसी, एससी, एसटी अल्पसंख्यक संयुक्त संगठन ने बिंदाल किनारे बसे लोगों को हटाने को लेकर मानवीय पक्ष का ध्यान रखने की मांग की है। संगठन ने शुक्रवार को इस संबंध में सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। संगठन के प्रदेश महासचिव बिल्लू वाल्मिकी ने कहा कि सरकार ने 30 जून तक अतिक्रमण हटाने के लिए हाईकोर्ट का आश्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि हम हाईकोर्ट के आदेशों का सम्मान करते हैं।

लेकिन सरकार को इन परिवारों को हटाने से पहले उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही जिन परिवारों को पूर्व में हटाया गया है, उनके लिए भी आवासीय व्यवस्था और मुआवजे का प्रावधान किया जाए। ज्ञापन देने वालों में बिल्लू वाल्मिकी के साथ अमर सिंह, राजकुमार, योगेंद्र कुमार, कालू सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

सोशल मीडिया में वायरल हुआ पंचायत चुनाव का फर्जी कार्यक्रम

देहरादून। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की गुरुवार दोपहर तक जिलों से आरक्षण की अनंतिम अधिसूचना भी नहीं हुई थी, उधर सोशल मीडिया में चुनाव का पूरा कार्यक्रम जारी हो गया। चुनाव से संबंधित एक पत्र सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हुआ तो राज्य निर्वाचन आयोग ने आगे आकर तत्काल इसका खंडन किया। गुरुवार को सोशल मीडिया में तेजी से एक पत्र वायरल हुआ।

इस पत्र में में बाकायदा पंचायत चुनाव का पूरा कार्यक्रम जारी किया गया था। जिससे लोगों के बीच गफलत की स्थिति पैदा हो गई। इसके तत्काल बाद राज्य निर्वाचन आयोग की प्रभारी संयुक्त सचिव कमलेश मेहता ने पत्र जारी कर वायरल पत्र को भ्रामक और तथ्यों से परे बताया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी प्रक्रिया अभी गतिमान है। समय आने पर निर्वाचन आयोग की ओर से विधिवत चुनाव संबंधी कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

अवैध खनन पर रोक के लिए एसडीएम नियमित निरीक्षण करें : डीएम

जिलाधिकारी ने अवैध खनन निरोधक दल की ली बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में अवैध खनन निरोधक दल की बैठक आयोजित की गयी। इस दौरान जिलाधिकारी ने जिले में अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अवैध खनन को लेकर 1 अप्रैल 2023 से 31 दिसंबर 2024 तक के सभी अवैध खनन के मामलों में जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब न देने पर नोटिस जारी कर तीन दिनों में जवाब मांगने और जवाब न देने वाले के विरुद्ध कारवाई कर आरसी काटने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी उपजिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन को लेकर नियमित निरीक्षण करने और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला खान अधिकारी अंकित चंद ने बताया कि 1 जनवरी 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक अवैध खनन निरोधक दल द्वारा कुल 32 प्रकरणों में 32.27 लाख धनराशि अधिरोपित की गयी थी। जिसकी शत प्रतिशत वसूली कर ली गई है।

पंचायत सचिवों के छुट्टी पर होने से काम प्रभावित

ऋषिकेश। डोईवाला के कई ग्राम पंचायत सचिवों के छुट्टी पर होने से उनसे जुड़े कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जिसको लेकर कांग्रेस के डोईवाला ब्लॉक कमेटी अध्यक्ष ने नाराजगी जताई है। डोईवाला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष उम्मेद बोरा ने कहा कि परिवार रजिस्टर की नकल के साथ खंड विकास कार्यालय डोईवाला में पंचायत की बोटर लिस्ट की नकल नहीं मिल पा रही है। ग्राम पंचायत सिमलास ग्रांट, नांगल ज्वालापुर, नांगल बुलंदा वाला के पंचायत सचिव छुट्टी पर हैं। उनके पदभार ग्रहण नहीं करने से परिवार रजिस्टर की नकल एक हफ्ते से नहीं मिल पा रही है। जिसको लेकर खंड विकास अधिकारी डोईवाला से भी वार्ता हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। वहीं, पंचायत की वोटर लिस्ट आज तक भी डोईवाला खंड विकास कार्यालय में नहीं पहुंचने से भी क्षेत्रवासियों में रोष है। अगर जल्द क्षेत्रवासियों की इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

शहीद की स्मृति में रोपा बरगद का पौधा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के पट्टी मनियारस्यूं के ग्राम सुराल में शौर्य चक्र विजेता शहीद मनीष पटवाल की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीमद् भागवत पुराण यज्ञ कथा हवन यज्ञ के साथ सम्पन्न हो गई है।

इस मौके पर शहीद की पुण्य स्मृति में कथावाचक आचार्य मनोज थपलियाल द्वारा वेद मंत्रों के साथ विधिवत शहीद की वीर माता श्रीमती शांति देवी एवं पिताजी जगमोहन सिंह पटवाल ने गांव के प्राकृतिक जल स्रोत में एक बरगद का समलौंण पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए समाजसेवी जगमोहन डांगी ने कहा कि जीवन के हर संस्कारों को यादगार बनाने के लिए सभी को पौधे रोपने चाहिए। इस मौके पर रवि थपलियाल सेवानिवृत्ति शाखा प्रबंधक एसबीआई, विपिन थपलियाल, चंदन सिंह नयाल, भगवती देवी, गौरव चौहान आदि मौजूद थे।

नृत्य प्रतियोगिता में भावना सती ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : अभ्युदय परिवार द्वारा आओ सीखें दस दिवसीय कार्यशाला के दौरान महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

शुक्रवार को कार्यशाला में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ भावना सती, पूनम बौठियाल, रेनू चौहान, संयोजिका भावना वर्मा ने किया। नृत्य प्रतियोगिता में भावना सती पहले, नेहा शाह दूसरे, सोनिया गुप्ता और रिंकी वर्मा तीसरे स्थान पर रही। जबकि बीना खण्डेलवाल, सुचित्रा हलधर, कल्पना ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में सीमा बिष्ट, अलका अग्रवाल, अमीता हजुयाल, अनीता वेदी शामिल थे। इस मौके पर भावना वर्मा ने कहा इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से महिलाओं और बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। स्थानीय निवासियों का कहना कि कार्यशाला वर्ष में दो बार होनी चाहिए। इस अवसर पर नजमा कुरैशी, मोनिका अग्रवाल, चंदा नेगी, सविता नेगी, सुमन ढौंडियाल, सूची नेगी, विपना जोशी, लता बिष्ट, रीमा रावत, नेहा शाह, शान्ति गुसाईं, कल्पना चौहान आदि मौजूद थी।

दो दशक बाद भी नहीं हो पाया सात किमी. सड़क का डामरीकरण

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : बौसाल से कुमराडी-पीपली-बछेली तक लगभग सात किमी. मोटर मार्ग का डामरीकरण दो दशक बाद भी नहीं हो पाया है। जिससे सड़क की हालत खस्ताहाल होने से दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र मोटर मार्ग पर डामरीकरण कराने की की मांग की है।

स्थानीय निवासी पवन घिल्डियाल एवं संपूर्णानंद घिल्डियाल ने बताया कि इस सड़क के मामले को लेकर कई बार विभागीय अधिकारी और कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज को भी अवगत करा चुके हैं, लेकिन अभी तक सड़क का डामरीकरण नहीं हो पाया है। जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। इस संदर्भ में भाजपा के मंडल अध्यक्ष एकेश्वर राकेश नैथानी का कहना है कि प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत इस सड़क के डामरीकरण का फोर्थ स्टेज के अंतर्गत प्रस्ताव भेजा गया है। जैसे ही इसकी वित्तीय स्वीकृति मिलेगी कार्य सुचारू रूप से चालू हो जाएगा।

डीएम की दो टूक, पेयजल समस्या का डे–टू–डे ही हो समाधान

–कंट्रोल रूम को अब तक मिली 142 शिकायतें, 138 निस्तारित –पेयजल से जुड़े 7 विभागों के सक्षम अधिकारी, 20 अप्रैल से 24ग7 कंट्रोल रूम में तैनात।

देहरादून। मुख्यमंत्री के सुशासन एवं जनसेवा संकल्प के तहत पेयजल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन सर्तकता और सक्रियता से डे–टू–डे समस्या का निदान करने में जुटा है। विगत 14अप्रैल से लेकर 13जून तक पेयजल की 142शिकायतें मिली है, जिसमें से 138 शिकायतों का समाधान कर लिया गया है।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर एडीएम की अध्यक्षता में जिले स्तर पर समिति गठित की गई है, जो नियमित रूप से पेयजल शिकायतों की मॉनिटरिंग में लगी है। डीएम के निर्देश पर पेयजल सप्लाई से जुड़े 07 विभागों के अधिकारी 20 अप्रैल से 24ग7 जिला कंट्रोल रूम में तैनात किए गए है।

जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील भी की है कि जल के मूल्य को समझते हुए जल संरक्षण में सहयोग करें। पानी को अनावश्यक बर्बाद न करें और न होने दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेयजल की समस्या का डे–टू–डे ही समाधान किया जाए। कोई भी शिकायत अनावश्यक लंबित न रहे। जनसेवा के तहत हर घर तक निर्बाध रूप से शुद्ध पेयजल आपूर्ति करना ही प्रशासन का लक्ष्य है।

कंट्रोल रूम को कैनाल रोड़ के कई घरों में पानी की सप्लाई बाधित होने की खबर मिलने पर अधिशासी अभियंता ने मौका मुआयाना किया। बताया कि गब्बर बस्ती में अधिष्ठापित वाल्व में खराबी आने के कारण कुछ घरों में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई थी, वाल्व की मरम्मत कर पानी की सप्लाई सुचार कर दी गई है।

गंगा एनक्लेव में पेयजल समस्या का निस्तारण करते हुए बताया कि क्षेत्र में 11 जून को यूपीसीएल (एडीबी) द्वारा विद्युत केबल बिछाने के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिस कारण एकता बिहार नलकूप को बंद करना पडा। वर्तमान में क्षतिग्रस्त लाइन की मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति सुचारू कर दी गई है।

वही जीएमस रोड़ क्षेत्र में गेल गैस लि. द्वारा पाइप लाइन और यूपीसीएल द्वारा विद्युत केबल बिछाने के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से पानी की आपूर्ति बाधित हुई थी। पेयजल लाइन की मरम्मत कर जलापूर्ति को सुचारू कर दिया गया है। ऋषि विहार निवासी प्रेम सिंह नेगी ने कंट्रोल रूम के दूरभाष पर पानी न आने की शिकायत दर्ज की थी। उनकी समस्या का भी निस्तारण कर लिया गया है।

जिलाधिकारी के निर्देशों पर पेयजल संकट वाले क्षेत्रों में नियमित निगरानी करते हुए ट्यूबवेल व नलकूपों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जल संस्थान एवं जल निगम के सभी डिविजनों में समस्याओं के निस्तारण के लिए टोल फ्री नंबर भी प्रचारित किए गए है। इसके अलावा कंट्रोल रूम के टोल फ्री नंबर 0135–2726066 व 1077 पर मिलने वाली शिकायतों का त्वरित संज्ञान लिया जा रहा है।

जल जीवन मिशन से स्थानीय युवकों को हटाने का आरोप

देहरादून। उत्तराखंड रक्षा अभियान और भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति उत्तराखंड ने जल जीवन मिशन निदेशालय में कार्यरत आउटसोर्स कंपनी पर उत्तराखंड मूल के युवाओं को नौकरी से हटाने का आरोप लगाया है। उन्होंने मिशन में प्रतिनियुक्ति पर रखे दूसरे विभाग के अधिकारियों को हटाने की मांग की है।

रक्षा अभियान के संयोजक ब्रह्मचारी हरिकिशन किमोठी और भाकियू एकता शक्ति के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र दत्त शर्मा ने शुक्रवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि भेदभाव पूर्ण मानसिकता ढाई साल से कार्यरत उत्तराखंड के युवाओं को उनकी नौकरी से हटा दिया है, जबकि जल जीवन मिशन की समय सीमा सरकार ने 2028 तक बढ़ा दी गई है।

पदाधिकारियों का तबादला होने पर भड़के कर्मचारी नेता

देहरादून। उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन ने जिलाध्यक्ष, जिला मंत्री के तबादले पर नाराजगी जताई। संगठन की आपात बैठक में फैसले को नियम विरुद्ध करार दिया। जल्द तबादला आदेश निरस्त न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

लोनिवि संघ भवन में हुई बैठक में संरक्षक पंचम सिंह बिष्ट ने कहा कि उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन उत्तराखंड का एक शीर्ष मान्यता प्राप्त संगठन है। संगठन के जिला अध्यक्ष, जिला मंत्री उत्तराखंड लोक सेवक स्थानांतरण अधिनियम 2017 की धारा 17 (दो) (घ) एवं शासनादेश संख्या 6 फरवरी 2018 के अधीन आते हैं। तबादलों में इन आदेशों का संज्ञान नहीं लिया गया। संगठन पदाधिकारियों के द्वारा अवगत कराने के बावजूद भी उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन के जनपद अध्यक्ष, जिला मंत्री के स्थानांतरण का प्रस्ताव स्थानांतरण समिति की ओर से प्रस्तावित कर दिया गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोहन सिंह रावत ने कहा कि इस सम्बन्ध में स्वास्थ्य महानिदेशक को सूचित कर दिया गया है। बता दिया गया है कि तत्काल प्रस्तावित स्थानांतरणों को निरस्त करते हुए स्थानांतरण अधिनियम का अनुपालन किया जाए। ऐसा न होने पर सीधे आंदोलन का ऐलान किया जाएगा। कहा कि स्वास्थ्य निदेशालय केवल अपने अधीनस्थ सेवा संवर्गों को ही मान्यता प्राप्त संगठन मान रहा है। जबकि उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन उत्तराखंड के लाखों कर्मचारी शिक्षकों का केवल एकमात्र मान्यता प्राप्त संगठन है।

बीस दिनों में रकम वापस न मिलने पर आंदोलन करेंगे एलयूसीसी पीड़ित निवेशक और एजेंट

ऋषिकेश। एलयूसीसी ने ऋषिकेश में करीब एक लाख निवेशकों के साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये हड़प लिए हैं। यहां सोसायटी की शाखाओं में ताले लगने से निवेशक एजेंटों के घर पर तकाजा कर रहे हैं, तो एजेंट अब मामले में केंद्र और राज्य सरकार के सहकारिता मंत्रालय की भूमिका पर ही सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने सरकार से मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुए निवेशकों को पैसा प्रबंधन के माध्यम से लौटाने की मांग दोहराई है। कार्रवाई नहीं होने पर 20 दिन बाद उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है। शुक्रवार को यात्रा बस अड्डा स्थित प्रेस क्लब में द लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट थ्रिफ्ट को–ऑपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) के एजेंटों ने प्रेसवार्ता की।जय सिंह जुगतवाण ने बताया कि वर्ष 2017 में एलयूसीसी ने ऋषिकेश क्षेत्र में निवेश का काम शुरू किया। आईडीपीएल में सोसायटी की न सिर्फ शाखा, बल्कि एटीएम भी खुला है। एजेंटों के माध्यम से मध्य वर्गीय परिवारों को आरडी व एफडी के जरिये रकम दोगुनी करने का झांसा दिया गया।

आरबीआई में सोसायटी पंजीकृत होने के चलते भरोसे में आकर लोगों की रकम निवेश भी करा दी। सुमन चमोला ने बताया कि वर्ष 2021 तक सोसायटी ने निवेशकों को भुगतान किया, लेकिन इसके बाद साल 2024 में पूरी होने वाली एफडी व आरडी की रकम लौटाने के बजाय कार्यालय ही बंद कर लिया। बीते वर्ष में नवंबर के बाद से निवेशकों को रकम वापस नहीं मिली। उन्होंने बताया कि आरबीआई में पंजीकृत और राज्य में सरकार की एनओसी के माध्यम से निवेश का कारोबार संचालित करने वाली सोसायटी को लेकर अभीतक सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। बताया कि ऋषिकेश क्षेत्र में सोसाइटी के एक लाख निवेशकों को करीब साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये फंस गया है। प्रमिला रावत ने बताया कि इस बाबत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी मुलाकात की जा चुकी है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग से 20 दिन भी कार्रवाई का भरोसा दिया है।

कांग्रेसियों ने पुण्यतिथि पर पूर्व कैबिनेट मंत्री इंदिरा हृदयेश को दी श्रद्धांजलि

ऋषिकेश। कांग्रेसियों ने पूर्व कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री दिवंगत इंदिरा हृदयेश की चौथी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यकर्ताओं ने जनहित में किए उनके कार्यों को याद किया। शुक्रवार को रेलवे रोड स्थित कांग्रेस भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें सभी ने कांग्रेस नेत्री दिवंगत इंदिरा हृदयेश के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। महानगर अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि उत्तराखंड के कद्दावर नेताओं में शुमार इंदिरा हृदयेश ने 1962 में राजनीति में प्रवेश किया और उत्तराखंड की राजनीति के शिखर तक पहुंची। इंदिरा हृदयेश उत्तराखंड की राजनीति में हाआयरन लेडी के नाम से जानी जाती थी, उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत उत्तर प्रदेश से की थी। उनकी राजनीतिक पारी उत्तराखंड के नेता प्रतिपक्ष के रूप में समाप्त हुई थी। इंदिरा हृदयेश 33 साल की उम्र में 1974 में पहली बार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य बनी।

ऋषिकेश में रिमझिम बारिश से मौसम सुहाना, गर्मी से मिली राहत

ऋषिकेश। सप्ताहभर से भीषण गर्मी झेल रहे ऋषिकेश के लोगों को शुक्रवार को बारिश ने राहत दी। दिन निकलते ही रिमझिम बारिश का दौर शुरू हुआ, जो सुबह नौ बजे तक जारी रहा। इसके बाद शाम तक आसमान में बादल छाए रहे। दिनभर चली ठंडी हवाओं ने लोगों को सुकून दिया। बाजार में भी चहल–पहल अधिक देखने को मिली। पिछले सात दिनों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। जिससे शहर वासियों का जीना मुश्किल हो गया था। शुक्रवार सुबह मौसम का मिजाज बदला और रिमझिम बारिश शुरू हुई। जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

सार्वजनिक स्थलों पर भी लोगों की भीड़भाड़ अन्य दिनों के मुकाबले अत्याधिक दिखी। बाजार में खरीदारों के जुटने से व्यापारियों के चेहरे भी खिले नजर आए। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं, सुबह बारिश से शहर की सड़कें भी जलमग्न हो गईं, जिससे पैदल गुजरने वाले लोगों को थोड़ी दुश्वारियों का सामना जरूर करना पड़ा। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि अभी मौसम में फेरबदल की संभावना बनी हुई है।

देहरादून में 15 जून,2025 को आयोजित होगा "रन फॉर योगा" कार्यक्रम

देहरादून। आयुष विभाग एवं जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ० जीसीएस जंगपांगी के निर्देशों के क्रम में 15 जून को देहरादून में ''रन फॉर योगा'' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ० डीसी पसबोला ने जानकारी देते हुए बताया कि रन फॉर योगा के माध्यम से 21 जून 2025 को होने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के लिए जनसामान्य को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी शामिल होंगे। मीडिया प्रभारी ने रूट प्लान के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि रन फॉर योगा कार्यक्रम का प्रारम्भ गांधी पार्क, देहरादून से और समापन एमकेपी कॉलेज, देहरादून में किया जाएगा।

आयुष विभाग ने जनसामान्य से कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

कांग्रेस ने पुण्यतिथि पर इंदिरा हृदयेश को याद किया

देहरादून। कांग्रेस ने स्व.इंदिरा हृदयेश को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया। राजपुर विधानसभा के कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्व.इंदिरा हृदयेश के कार्यों को याद किया। उन्होंने उनकी चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि भी दी। कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि स्व. इंदिरा हृदयेश ने अपने लंबे राजनैतिक अनुभव से उत्तराखंड के विकास में अहम योगदान दिया। उन्होंने संसदीय परंपराओं के अध्याय में अपनी अलग छाप छोड़ी। राजनीति में उनकी निर्भीक छवि रही है। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि शिक्षक राजनीति से लेकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड तक का उनका लम्बा राजनैतिक सफर उनके कार्यों और जन सरोकारों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। इस मौके पर कांग्रेसजनों ने अहमदाबाद हवाई हादसे में मारे गये लोगों को भी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर पूर्व विधायक राजकुमार, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, पूर्व नगर निगम नेता प्रतिपक्ष नीनू सहगल, पार्षद सागर लाम्बा, अर्जुन सोनकर, वीरेन्द्र बिष्ट, निखिल कुमार, प्रमोद गुप्ता, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष राजेन्द्र खन्ना, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुनील बांगा, सुरेश पासी, राजेन्द्र सिंह, सोम वाल्मीकि, अशोक कुमार मौजूद रहे। इधर, पार्टी मुख्यालय में भी महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ.जसविंदर सिंह गोगी की अगुवाई में कांग्रेसजनों स्व. हृदयेश के कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com